THE RESEARCH DIALOGUE
An Online Quarterly Multi-Disciplinary
Peer-Reviewed / Refereed Research Journal
ISSN: 2583-438X
© The Research Dialogue | Volume-05 | Issue-01 | April-2026
Available online at: https://theresearchdialogue.com/

एक भारत श्रेष्ठ भारत : राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक समन्वय और समावेशी विकास

निकिता[1], डॉ० बबीता गोयल[2]

[1]परास्नातक शोधार्थिनी- राजनीति विज्ञान, ताराचंद वैदिक पुत्री डिग्री कॉलेज, मुजफ्फरनगर
[2]शोध निर्देशिका, एसिस्टेंट प्रोफेसर -राजनीति विज्ञान, ताराचंद वैदिक पुत्री डिग्री कॉलेज, मुजफ्फरनगर

सारांश

भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक राष्ट्र है, जिसकी पहचान उसकी विविधता में निहित एकता से होती है। यहाँ विभिन्न धर्म, भाषाएँ, संस्कृतियाँ, परंपराएँ और जीवन-शैलियाँ होने के बावजूद राष्ट्रीय एकता की भावना सदैव विद्यमान रही है। इसी भावना को और अधिक सशक्त बनाने के उद्देश्य से भारत सरकार ने "एक भारत श्रेष्ठ भारत" कार्यक्रम की शुरुआत की। इस योजना का उद्देश्य विभिन्न राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के बीच सांस्कृतिक, भाषायी और सामाजिक समन्वय स्थापित करना है।

यह शोध-पत्र "एक भारत श्रेष्ठ भारत" कार्यक्रम की अवधारणा, उद्देश्य, महत्व, कार्यप्रणाली, चुनौतियाँ तथा भविष्य की संभावनाओं का विश्लेषण प्रस्तुत करता है। अध्ययन से स्पष्ट होता है कि यह कार्यक्रम केवल सांस्कृतिक आदान-प्रदान तक सीमित नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय एकीकरण, शिक्षा, पर्यटन, आर्थिक विकास और सामाजिक समरसता को भी प्रोत्साहित करता है।

मुख्य शब्द : राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक विविधता, एक भारत श्रेष्ठ भारत, सामाजिक समरसता, भारतीय संस्कृति

प्रस्तावना

भारत प्राचीन काल से ही विविधताओं का देश रहा है। यहाँ अनेक धर्मों, भाषाओं, जातियों और संस्कृतियों के लोग निवास करते हैं। हिमालय से लेकर कन्याकुमारी तक तथा गुजरात से लेकर अरुणाचल प्रदेश तक भारत की संस्कृति में अद्भुत विविधता दिखाई देती है। इसके बावजूद भारतीय समाज सदियों से एक सूत्र में बंधा हुआ है। यही "विविधता में एकता" भारत की सबसे बड़ी विशेषता है।

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भारत के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती राष्ट्रीय एकता बनाए रखने की थी। क्षेत्रवाद, भाषावाद, जातिवाद तथा सांप्रदायिकता जैसी समस्याएँ समय-समय पर राष्ट्रीय अखंडता के लिए चुनौती बनती रही हैं। ऐसे में देश के विभिन्न राज्यों और समुदायों के बीच आपसी समझ, सम्मान और सहयोग को बढ़ावा देना आवश्यक हो गया।

इसी उद्देश्य से भारत सरकार ने 31 अक्टूबर 2015 को सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर "एक भारत श्रेष्ठ भारत" कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सरदार पटेल ने स्वतंत्रता के बाद देश की रियासतों का एकीकरण कर भारत की राष्ट्रीय अखंडता को मजबूत किया था। यह कार्यक्रम उसी भावना को आगे बढ़ाने का प्रयास है।

"एक भारत श्रेष्ठ भारत" कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को जोड़ी बनाकर उनके बीच सांस्कृतिक और शैक्षिक आदान-प्रदान को बढ़ावा दिया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य नागरिकों, विशेषकर युवाओं में राष्ट्रीय एकता और भाईचारे की भावना विकसित करना है।

एक भारत श्रेष्ठ भारत : अवधारणा

"एक भारत श्रेष्ठ भारत" का अर्थ है ऐसा भारत जहाँ विविधताओं के बावजूद सभी नागरिक स्वयं को एक राष्ट्र का अभिन्न अंग समझें। यह कार्यक्रम इस विचार पर आधारित है कि यदि लोग एक-दूसरे की संस्कृति, भाषा और परंपराओं को समझेंगे, तो उनके बीच आपसी विश्वास और सहयोग बढ़ेगा। राष्ट्रीय एकता केवल राजनीतिक एकता नहीं होती, बल्कि यह भावनात्मक और सांस्कृतिक एकता भी होती है। जब देश के लोग अपने क्षेत्र, भाषा या धर्म से ऊपर उठकर राष्ट्रहित को प्राथमिकता देते हैं, तभी सच्चे अर्थों में राष्ट्रीय एकीकरण संभव होता है।

यह कार्यक्रम भारत की सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करने और नई पीढ़ी तक पहुँचाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। इसके द्वारा छात्रों, शिक्षकों, कलाकारों और नागरिकों को विभिन्न संस्कृतियों को समझने का अवसर मिलता है।

कार्यक्रम के उद्देश्य

1. राष्ट्रीय एकता को मजबूत करना

इस कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य भारत की राष्ट्रीय एकता और अखंडता को सुदृढ़ करना है। विभिन्न राज्यों के लोगों के बीच संवाद बढ़ने से राष्ट्रीय भावना विकसित होती है।

2. सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देना

भारत की प्रत्येक संस्कृति अपनी विशेषताओं के कारण महत्वपूर्ण है। इस कार्यक्रम के माध्यम से लोक कला, संगीत, नृत्य, भोजन और परंपराओं का आदान-प्रदान किया जाता है।

3. भाषायी समन्वय स्थापित करना

भारत में अनेक भाषाएँ बोली जाती हैं। यह कार्यक्रम लोगों को अन्य भारतीय भाषाओं को सीखने और समझने के लिए प्रेरित करता है।

4. युवाओं में राष्ट्रीय चेतना विकसित करना

विद्यालयों और विश्वविद्यालयों में आयोजित गतिविधियों के माध्यम से युवाओं में देशभक्ति और राष्ट्रीय जिम्मेदारी की भावना विकसित की जाती है।

5. पर्यटन और आर्थिक विकास को बढ़ावा देना

जब लोग अन्य राज्यों की संस्कृति और पर्यटन स्थलों से परिचित होते हैं, तो घरेलू पर्यटन को प्रोत्साहन मिलता है, जिससे आर्थिक विकास होता है।

कार्यक्रम की कार्यप्रणाली

"एक भारत श्रेष्ठ भारत" कार्यक्रम के अंतर्गत राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की जोड़ी बनाई जाती है। उदाहरण के लिए, उत्तर प्रदेश को तमिलनाडु के साथ जोड़ा गया ताकि दोनों राज्यों के लोग एक-दूसरे की भाषा और संस्कृति को समझ सकें।

प्रमुख गतिविधियाँ

1. भाषा शिक्षण कार्यक्रम

विद्यालयों और कॉलेजों में अन्य राज्यों की भाषाओं के सामान्य शब्द और वाक्य सिखाए जाते हैं। इससे भाषायी समझ विकसित होती है।

2. सांस्कृतिक कार्यक्रम

लोक नृत्य, संगीत, नाटक और कला प्रदर्शनियों के माध्यम से विभिन्न संस्कृतियों का परिचय कराया जाता है।

3. छात्र विनिमय कार्यक्रम

छात्रों को अन्य राज्यों की यात्रा कर वहाँ की संस्कृति और जीवन-शैली को समझने का अवसर दिया जाता है।

4. भोजन उत्सव

विभिन्न राज्यों के पारंपरिक व्यंजनों को प्रदर्शित करने के लिए भोजन उत्सव आयोजित किए जाते हैं।

5. पर्यटन और विरासत भ्रमण

ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थलों का भ्रमण कराकर छात्रों और नागरिकों को भारत की समृद्ध विरासत से परिचित कराया जाता है।

राष्ट्रीय एकता में कार्यक्रम की भूमिका

भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में राष्ट्रीय एकता बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। "एक भारत श्रेष्ठ भारत" इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

भावनात्मक एकीकरण

यह कार्यक्रम लोगों में यह भावना उत्पन्न करता है कि वे केवल किसी राज्य विशेष के नागरिक नहीं, बल्कि पूरे भारत के नागरिक हैं।

सामाजिक समरसता

विभिन्न समुदायों के बीच संवाद बढ़ने से भेदभाव और पूर्वाग्रह कम होते हैं। इससे सामाजिक सद्भाव बढ़ता है।

क्षेत्रवाद की भावना में कमी

यह कार्यक्रम लोगों को यह समझने में सहायता करता है कि भारत की सभी संस्कृतियाँ समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। इससे संकीर्ण क्षेत्रीय सोच कम होती है।

लोकतांत्रिक मूल्यों का विकास

जब नागरिक विविध विचारों और संस्कृतियों का सम्मान करना सीखते हैं, तो लोकतंत्र मजबूत होता है।

शिक्षा के क्षेत्र में योगदान

बहुसांस्कृतिक शिक्षा

विद्यालयों और विश्वविद्यालयों में छात्रों को विभिन्न भारतीय संस्कृतियों की जानकारी दी जाती है, जिससे उनमें व्यापक दृष्टिकोण विकसित होता है।

भाषा कौशल का विकास

अन्य भारतीय भाषाओं के अध्ययन से छात्रों की भाषायी क्षमता और संवाद कौशल बढ़ते हैं।

राष्ट्रीय चेतना

यह कार्यक्रम छात्रों में देशभक्ति और राष्ट्रीय जिम्मेदारी की भावना विकसित करता है।

शोध और नवाचार

विभिन्न राज्यों के शैक्षणिक संस्थानों के बीच सहयोग बढ़ने से अनुसंधान और नवाचार को प्रोत्साहन मिलता है।

सांस्कृतिक संरक्षण और संवर्धन

भारत की सांस्कृतिक विरासत अत्यंत समृद्ध है। "एक भारत श्रेष्ठ भारत" कार्यक्रम इसके संरक्षण और संवर्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

लोक कला का संरक्षण

कई लोक कलाएँ आधुनिकता के कारण समाप्त होने की स्थिति में हैं। यह कार्यक्रम उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाता है।

सांस्कृतिक गौरव

जब लोग अपनी संस्कृति को राष्ट्रीय मंच पर देखते हैं, तो उनमें गर्व और आत्मविश्वास की भावना विकसित होती है।

विविधता का सम्मान

यह कार्यक्रम यह संदेश देता है कि भारत की विविधताएँ उसकी शक्ति हैं, कमजोरी नहीं।

आर्थिक और पर्यटन विकास में योगदान

पर्यटन को बढ़ावा

विभिन्न राज्यों की संस्कृति और पर्यटन स्थलों के प्रति जागरूकता बढ़ने से घरेलू पर्यटन में वृद्धि होती है।

स्थानीय उद्योगों का विकास

हस्तशिल्प, हथकरघा और स्थानीय उत्पादों को राष्ट्रीय पहचान मिलने से छोटे उद्योगों को लाभ होता है।

रोजगार के अवसर

पर्यटन और सांस्कृतिक गतिविधियों के विस्तार से रोजगार के नए अवसर उत्पन्न होते हैं।

आर्थिक सहयोग

राज्यों के बीच सांस्कृतिक संबंध मजबूत होने से व्यापारिक संबंध भी सुदृढ़ होते हैं।

युवाओं की भूमिका

भारत की जनसंख्या का बड़ा भाग युवा है। इसलिए "एक भारत श्रेष्ठ भारत" कार्यक्रम में युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

राष्ट्रीय नेतृत्व का विकास

यह कार्यक्रम युवाओं में नेतृत्व क्षमता और सामाजिक उत्तरदायित्व विकसित करता है।

सांस्कृतिक जागरूकता

युवा विभिन्न संस्कृतियों के संपर्क में आकर अधिक सहिष्णु और संवेदनशील बनते हैं।

डिजिटल माध्यमों का उपयोग

सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से युवा विभिन्न संस्कृतियों को साझा कर सकते हैं।

सामाजिक सेवा

राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) और युवा संगठनों के माध्यम से युवाओं को राष्ट्र निर्माण से जोड़ा जा सकता है।

चुनौतियाँ

हालाँकि "एक भारत श्रेष्ठ भारत" कार्यक्रम अत्यंत प्रभावशाली है, फिर भी इसके सामने कई चुनौतियाँ हैं।

1. भाषायी बाधाएँ

भारत की भाषायी विविधता कभी-कभी संवाद में कठिनाई उत्पन्न करती है।

2. क्षेत्रवाद और संकीर्ण सोच

कुछ लोग अपनी क्षेत्रीय पहचान को राष्ट्रीय पहचान से ऊपर रखते हैं।

3. सीमित जन-जागरूकता

ग्रामीण क्षेत्रों में अभी भी इस कार्यक्रम के प्रति पर्याप्त जागरूकता नहीं है।

4. संसाधनों की कमी

सभी राज्यों में कार्यक्रमों के प्रभावी संचालन के लिए पर्याप्त वित्तीय संसाधनों की आवश्यकता होती है।

5. सांस्कृतिक पूर्वाग्रह

कई बार लोग अन्य संस्कृतियों के प्रति गलत धारणाएँ रखते हैं, जिससे सांस्कृतिक समन्वय प्रभावित होता है।

समाधान और सुझाव

1. जन-जागरूकता अभियान

मीडिया और सोशल मीडिया के माध्यम से कार्यक्रम का व्यापक प्रचार किया जाना चाहिए।

2. शिक्षा में समावेश

विद्यालयों और विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रम में राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक विविधता से संबंधित विषयों को शामिल किया जाना चाहिए।

3. डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग

ऑनलाइन सांस्कृतिक कार्यक्रम और वर्चुअल टूर के माध्यम से अधिक लोगों को जोड़ा जा सकता है।

4. युवाओं की भागीदारी

युवा संगठनों और छात्र समूहों को कार्यक्रम से जोड़ना चाहिए।

5. स्थानीय स्तर पर आयोजन

ग्राम पंचायत और नगर स्तर पर सांस्कृतिक मेलों और आदान-प्रदान कार्यक्रमों का आयोजन किया जाना चाहिए।

वैश्विक परिप्रेक्ष्य में "एक भारत श्रेष्ठ भारत"

आज वैश्वीकरण के दौर में सांस्कृतिक पहचान और राष्ट्रीय एकता का महत्व बढ़ गया है। विश्व के कई देशों में सांस्कृतिक संघर्ष और सामाजिक विभाजन देखने को मिलते हैं। भारत की "विविधता में एकता" की अवधारणा विश्व के लिए एक आदर्श प्रस्तुत करती है।

"एक भारत श्रेष्ठ भारत" कार्यक्रम यह संदेश देता है कि विविधताओं के साथ भी शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व संभव है। यह कार्यक्रम भारतीय संस्कृति और लोकतांत्रिक मूल्यों को वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित करने में सहायक है।

कोविड-19 महामारी और राष्ट्रीय एकता

कोविड-19 महामारी के दौरान भारत ने सामूहिक सहयोग और राष्ट्रीय एकता का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया। विभिन्न राज्यों के लोगों ने एक-दूसरे की सहायता की और संकट की घड़ी में भाईचारे की भावना दिखाई।

"एक भारत श्रेष्ठ भारत" जैसी पहलों ने लोगों में पहले से ही सहयोग और एकता की भावना विकसित की थी, जिसका प्रभाव महामारी के दौरान स्पष्ट रूप से दिखाई दिया।

निष्कर्ष

"एक भारत श्रेष्ठ भारत" कार्यक्रम भारत की राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक समन्वय और सामाजिक सद्भाव को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। यह कार्यक्रम भारतीय संविधान की मूल भावना "विविधता में एकता" को साकार करता है।

इस शोध-पत्र के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि यह कार्यक्रम केवल सांस्कृतिक आदान-प्रदान तक सीमित नहीं है, बल्कि शिक्षा, पर्यटन, आर्थिक विकास, युवा सशक्तिकरण और सामाजिक समरसता में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

भारत की वास्तविक शक्ति उसकी विविधता में निहित है। यदि देश के सभी नागरिक एक-दूसरे की संस्कृति, भाषा और परंपराओं का सम्मान करेंगे, तो राष्ट्रीय एकता और अधिक मजबूत होगी। "एक भारत श्रेष्ठ भारत" इसी दिशा में एक सकारात्मक और दूरदर्शी कदम है।

भविष्य में इस कार्यक्रम को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए जन-जागरूकता, शिक्षा, डिजिटल तकनीक और युवाओं की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। तभी भारत वास्तविक अर्थों में एक सशक्त, समरस और श्रेष्ठ राष्ट्र बन सकेगा।

संदर्भ सूची

1. भारत सरकार, शिक्षा मंत्रालय – "एक भारत श्रेष्ठ भारत" दस्तावेज।
2. भारतीय संविधान।
3. एनसीईआरटी सामाजिक विज्ञान पुस्तकें।
4. डॉ. रामधारी सिंह दिनकर – *संस्कृति के चार अध्याय*।
5. राष्ट्रीय एकीकरण परिषद की रिपोर्ट।
6. यूजीसी एवं शिक्षा मंत्रालय की विभिन्न रिपोर्टें।
7. भारतीय संस्कृति और राष्ट्रीय एकता से संबंधित शोध-पत्र एवं पत्रिकाएँ।

Cite this Article

निकिता[1], डॉ० बबीता गोयल[2], "एक भारत श्रेष्ठ भारत : राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक समन्वय और समावेशी विकास " The Research Dialogue, Open Access Peer-reviewed & Refereed Journal, Pp-539–544, Volume-05, Issue-01, April-2026, https://theresearchdialogue.com/

This is an Open cess Journal / article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution License CC BY-NC-ND 3.0) which permits unrestricted use, distribution, and reproduction in any medium, provided the original work is properly cited. All rights reserved.

CERTIFICATE

of Publication

This Certificate is proudly presented to

निकिता[1], डॉ० बबीता गोयल[2]

For publication of Research Paper title

एक भारत श्रेष्ठ भारत : राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक समन्वय और समावेशी विकास

Published in 'The Research Dialogue' Peer-Reviewed / Refereed Research Journal and E-ISSN: 2583-438X, Volume-05, Issue-01, Month April, Year-2026, Impact Factor (RPRI-4.73)

Dr. Lohans Kumar Kalyani
Editor- In-chief

Dr. Neeraj Yadav
Executive-In-Chief- Editor

Note: This E-Certificate is valid with published paper and the paper must be available online at: https://theresearchdialogue.com/